50 हजार रुपये का जुर्माना दक्षिण दिल्ली नगर निगम ने चिराग दिल्ली में आयोजित भंडारे में सिंगल यूज प्लास्टिक की प्लेट का इस्तेमाल करने पर लगाया है। वहां साफ-सफाई के भी उचित इंतजाम नहीं थे।

www.jagran.com राष्ट्रीय संस्करण
दैनिक जागरण
सोमवार 30 सितंबर 2019

द्वितीय

ब्रह्मचारिणी

माता दुर्गा की नवशक्तियों में द्वितीय स्वरूप ब्रह्मचारिणी का है। सच्चिदानंदमय ब्रह्मस्वरूप की प्राप्ति कराना जिनका स्वभाव है, ऐसी माता ने कई हजार वर्ष तक तप का आचरण कर शिवजी को पति रूप में प्राप्त किया। इसीलिए इनका नाम तपश्चारिणी या ब्रह्मचारिणी के रूप में ख्यात हुआ। श्वेत वस्त्र पहने हुए मां का स्वरूप अत्यंत ज्योतिर्मयी एवं भव्य है। इनके दाहिने हाथ में जप की माला तथा बाएं हाथ में कमंडल है। इनकी पूजा से भक्तों को अनंत फल प्राप्त होता है। इनकी ब्रह्मचर्य पूर्वक पूजा-उपासना से तप, त्याग, सदाचार, संयम की वृद्धि होती है। इनकी कृपा से सर्वत्र सिद्धि तथा विजय की प्राप्ति होती है।

आज का विचार
शुभ कर्मों में संलग्नता ही तप है। सकारात्मक रहकर किए गए कार्यों में अवश्य सफलता मिलती है।

ध्यान मंत्र
दधानां कर पद्माभ्यामक्षमाला कमंडलु।
देवी प्रसीदतुमयि ब्रह्मचारिण्यनुत्तमा।।

पद्मश्री डॉ. हरिहर कृपालु त्रिपाठी

दावा ▶ संजय गांधी मेमोरियल अस्पताल में ट्रॉमा सेंटर के शिलान्यास अवसर पर बोले सीएम

दिल्लीवासियों को डेनमार्क जैसी सुविधाएं

कहा, दुनिया के विकसित देशों में जो हो रहा है, वही दिल्ली में हो रहा

जागरण संवाददाता, नई दिल्ली

मंगोलपुरी स्थित संजय गांधी मेमोरियल अस्पताल में नए ट्रामा सेंटर के शिलान्यास अवसर पर भूमि पूजन करते मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल और स्वास्थ्य मंत्री सत्येंद्र जैन। जागरण

मंगोलपुरी स्थित संजय गांधी मेमोरियल अस्पताल में 362 बेड के ट्रॉमा सेंटर का रविवार को मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल ने शिलान्यास किया। उन्होंने कहा कि दिल्ली के इस सबसे बड़ा ट्रॉमा सेंटर से न केवल मंगोलपुरी, बल्कि पूरी दिल्ली की जनता को फायदा होगा। पिछले पांच साल के अंदर दिल्ली में बड़े स्तर पर स्वास्थ्य के क्षेत्र में विस्तार हुआ है। अस्पतालों में भीड़ कम करने के लिए बड़े स्तर पर मोहल्ला क्लीनिक बनाए जा रहे हैं। अभी लगभग 200 मोहल्ला क्लीनिक चल रहे हैं और करीब 200 मोहल्ला क्लीनिकों का आगामी दस दिनों के भीतर उद्घाटन किया जाएगा। इसके बाद करीब 300 मोहल्ला क्लीनिक नवंबर-दिसंबर तक तैयार हो जाएंगे, जिससे दिल्ली में दिसंबर तक करीब 700 मोहल्ला क्लीनिकों में लोगों का इलाज होने लगेगा। इसके अलावा दिल्ली में 122 पॉलीक्लीनिक का भी निर्माण किया जा रहा है।

उन्होंने कहा कि उन पर ऐसे आरोप हैं कि अस्पतालों में सुविधाएं मुफ्त करने से लोगों में मुफ्तखोरी पैदा हो रही है, जिसकी आदत ठीक नहीं है। लेकिन दुनिया के सबसे विकसित देशों में जो होता आ रहा है, वही अब दिल्ली में हो रहा है। उन्होंने बताया कि डेनमार्क जैसे विकसित देश में सभी सरकारी अस्पतालों में इलाज मुफ्त है। मुख्यमंत्री ने कहा कि डेनमार्क में अगर आप सरकारी अस्पताल में जाएं और एक महीने के अंदर ऑपरेशन की तारीख न मिले तो आप प्राइवेट अस्पताल में जाकर ऑपरेशन करा सकते हैं, जिसका खर्च सरकार देती है। हमने दिल्ली में भी यही किया। उन्होंने कहा कि दिल्ली में जो सुविधाएं मिल रही हैं, वह डेनमार्क, अमेरिका, जापान जैसे बड़े-बड़े विकसित देशों की तरह हैं। इस मौके पर स्वास्थ्य मंत्री सत्येंद्र जैन ने कहा कि मंगोलपुरी ट्रॉमा सेंटर में आइसीयू, इमरजेंसी बेड व छह ऑपरेशन थियेटर भी हैं। आधुनिक सुविधाओं से लैस इस सेंटर में 50 फीसद से ज्यादा बेड, इमरजेंसी, ट्रॉमा, आइसीयू के लिए बनाने जा रहे हैं। यहां 362 बेड होंगे और तीन आइसीयू। यह 14-14 बेड के आइसीयू होंगे, जिनमें सभी आधुनिक सुविधाएं होंगी। उन्होंने कहा कि सरकार हर दिल्लीवासी को बेहतर स्वास्थ सुविधाएं देने के लिए प्रतिबद्ध है।

मुख्यमंत्री के ट्वीट : अभी तक सरकारें एक करोड़ रुपये प्रति बेड के हिसाब से अस्पताल बनाती थीं। लेकिन संजय गांधी मेमोरियल हॉस्पिटल के 362 बेड का अत्याधुनिक एवं एसी ट्रॉमा सेंटर महज 71 करोड़ रुपये का बनेगा। आपकी सरकार ईमानदार है। पैसे बचा रही है। इसलिए आज सभी के लिए इतनी सारी सुविधाएं दे पा रही है।

मुख्यमंत्री ने ट्वीट किया कि इस एक काम में ही 190 करोड़ रुपये बच गए। अगर इस पैसे से मैं दिल्ली के सभी लोगों की दवाई, इलाज और टेस्ट मुफ्त कर देता हूं तो इसमें गलत क्या है? विपक्ष के लोग इसका विरोध करते हैं कि हम दिल्ली वालों को मुफ्त इलाज करके पैसा बर्बाद कर रहे हैं।

डेंगू अभियान के तहत सीएम ने फिर की अपने घर की जांच

राज्य ब्यूरो, नई दिल्ली : डेंगू के खिलाफ शुरू किए गए 10 हफ्ते, 10 बजे, 10 मिनट अभियान के पांचवें रविवार को मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल ने अपने आवास का निरीक्षण कर यह सुनिश्चित किया कि कहीं डेंगू के मच्छर तो नहीं पनप रहे हैं। इसके बाद मुख्यमंत्री ने ट्वीट कर कहा कि रविवार सुबह 10 बजे मैंने और मेरे परिवार ने मिल कर अपने घर की जांच की। उन्होंने कहा कि 10 हफ्ते, 10 बजे, 10 मिनट अभियान की सफलता इस बात का प्रमाण है कि जब लाखों लोग एकजुट होकर काम करते हैं, तो कोई भी लक्ष्य प्राप्त करना मुश्किल नहीं लगता। मुख्यमंत्री ने कहा कि यह अभियान एक सितंबर से शुरू किया गया है। डेंगू का मच्छर केवल साफ पानी में होता है। साफ पानी अगर थोड़े दिन के लिए इकट्ठा हो जाए और उसको बदला न जाए तो उस साफ पानी के अंदर डेंगू के मच्छर पैदा होते हैं। अगर हम आठ दिन से पहले उस पानी को बदल दें तो मच्छर पैदा ही नहीं होंगे।

एम्स में सरोगेट मदर की मौत गर्भ में थे जुड़वां बच्चे

राज्य ब्यूरो, नई दिल्ली

गंभीर मामला
- आरएफपी इंडियन जर्नल ऑफ हॉस्पिटल एडमिनिस्ट्रेशन में मामला हुआ प्रकाशित
- व्यावसायिक सरोगेसी पर एक बार फिर खड़े किए जा रहे हैं सवाल

एम्स में इलाज के दौरान 42 वर्षीय एक ऐसी सरोगेट मदर की मौत का मामला सामने आया है जिसके गर्भ में जुड़वां बच्चे पल रहे थे। इस घटना से व्यावसायिक सरोगेसी पर एक बार फिर सवाल खड़े किए जा रहे हैं। एम्स के फॉरेंसिक विभाग के डॉक्टरों ने इस मामले को आरएफपी इंडियन जर्नल ऑफ हॉस्पिटल एडमिनिस्ट्रेशन में प्रकाशित किया है। साथ ही सरोगेसी को नियंत्रित करने के लिए सख्त कानून बनाने की वकालत की है।

दरअसल, उस विधवा महिला को निजी आइवीएफ सेंटर से एम्स रेफर किया गया था। आर्थिक फायदे के लिए उन्होंने सरोगेसी से गर्भधारण किया था और उन्हें 17 सप्ताह हो चुका था। उन्हें पहले पहले टीबी व हाइड्रोसेफेलस की बीमारी थी। इसके अलावा वह मानसिक अवसाद से भी पीड़ित थीं। सरोगेसी से पहले उन्होंने अपनी पुरानी बीमारी के बारे में डॉक्टरों को नहीं बताया था। डॉक्टरों के अनुसार, उन्होंने अधिक मात्रा में अवसाद की दवा ली थी। इस वजह से डॉक्टरों ने गर्भपात कराने की सलाह दी, लेकिन गर्भपात के पहले ही हालत ज्यादा खराब हो गई। इस वजह से उन्हें तुरंत इमरजेंसी में स्थानांतरित किया गया, जहां उसकी मौत हो गई।

डॉक्टर कहते हैं कि सरोगेसी से पहले कई तरह की स्वास्थ्य जांच जरूरी है। इसके अलावा पुरानी बीमारियों का विवरण लिया जाना भी अनिवार्य है। परिवार में किसी को आनुवांशिक बीमारी हो तो यह भी बताना जरूरी है। ताकि बच्चे को आनुवांशिक बीमारी से बचाया जा सके।

आरएफपी इंडियन जर्नल ऑफ हॉस्पिटल एडमिनिस्ट्रेशन में प्रकाशित रिपोर्ट में कहा गया है कि भारतीय आयुर्विज्ञान अनुसंधान परिषद (आइसीएमआर) के मौजूदा दिशा निर्देश के अनुसार, वह सरोगेट मदर नहीं बन सकती थी। सरोगेसी एक ऐसी व्यवस्था है जिसके तहत सरोगेट मदर किसी दूसरे दंपती के लिए गर्भधारण करती है। सरोगेसी पर अलग-अलग देशों में अलग-अलग राय है। चीन, जापान, जर्मनी, इटली सहित कई देशों में हर तरह के सरोगेसी पर रोक है। वहीं अमेरिका, इंग्लैंड, ऑस्ट्रेलिया सहित कुछ देशों में सिर्फ व्यावसायिक सरोगेसी प्रतिबंधित है। भारत में भी सरोगेसी बिल के तहत व्यावसायिक सरोगेसी पर प्रतिबंध का प्रावधान है। इसके तहत 25 से 35 वर्ष की महिलाएं ही सरोगेट मदर बन सकती हैं। हाल ही में लोकसभा में यह बिल पास हुआ है।

एम्स के फॉरेंसिक विभाग के डॉक्टरों ने इस मामले को आरएफपी इंडियन जर्नल ऑफ हॉस्पिटल एडमिनिस्ट्रेशन में प्रकाशित किया है। साथ ही सरोगेसी को नियंत्रित करने के लिए सख्त कानून बनाने की वकालत की है।

न्यूज गैलरी

सीएम को विदेश यात्रा की अभी नहीं मिली स्वीकृति

नई दिल्ली : मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल नौ से 12 अक्टूबर के बीच डेनमार्क के कोपेनहेगन में आयोजित हो रहे सी-40 शिखर सम्मेलन में हिस्सा लेने जाएंगे। हालांकि अब तक विदेश मंत्रालय से इसकी स्वीकृति नहीं मिली है। दिल्ली दुनिया के सबसे बड़े महानगरों में से एक होने के कारण केजरीवाल को वहां आमंत्रित किया गया है। केजरीवाल के अलावा वहां जलवायु संकट पर न्यूयॉर्क, लंदन, पेरिस, लॉस एंजिलिस और बर्लिन जैसे शहरों के नेता भी अपनी बात रखेंगे। मुख्यमंत्री दिल्ली में प्रदूषण में 25 फीसद कमी लाने के लिए किए गए प्रयासों के बारे में बताएंगे। (राब्यू)

लेडी हार्डिंग मेडिकल कॉलेज मूकबधिर बच्चों को देगा आवाज

नई दिल्ली : केंद्र सरकार के लेडी हार्डिंग मेडिकल कॉलेज के सुचेता कृपलानी अस्पताल में कॉकलियर इंप्लांट सर्जरी की सुविधा शुरू हो गई है। ऐसे में अब यह अस्पताल मूकबधिर बच्चों को आवाज दे सकेगा। इस माह यहां तीन बच्चों की सर्जरी हो भी चुकी है। लेडी हार्डिंग मेडिकल कॉलेज दिल्ली का पांचवां अस्पताल है, जहां यह सुविधा शुरू की गई है। इसके पहले दिल्ली में सरकारी क्षेत्र के चार अस्पतालों में यह सुविधा थी। इनमें एम्स, लोकनायक अस्पताल, आरएमएल व सफदरजंग अस्पताल शामिल हैं। (राब्यू)

एयरपोर्ट पर आइफोन व ब्रांडेड घड़ी के साथ तस्कर गिरफ्तार

नई दिल्ली : आइजीआइ एयरपोर्ट पर कस्टम अधिकारियों ने आइफोन, ब्रांडेड घड़ी इत्यादि सामान की तस्करी में भारतीय नागरिक को गिरफ्तार किया है। वह हांगकांग से आया था। इससे पहले भी वह कई चीजों की तस्करी कर चुका है। कस्टम एक्ट 1962 के तहत तस्करी का सामान जब्त कर मामले की छानबीन की जा रही है। आइजीआइ एयरपोर्ट के कस्टम कमिश्नर डॉ. अमनदीप सिंह ने बताया कि 25 सितंबर को हांगकांग से कैथे पैसिफिक एयरलाइंस की उड़ान से एयरपोर्ट पर उतरा शख्स टर्मिनल से बाहर निकलने की जुगत में था। कस्टम अफसरों ने रोककर उसके सामान की तलाशी ली। उसके पास से एप्पल के 27 आइफोन, रोलेक्स, टॉमी आदि ब्रांड की 330 घड़ियां, ट्रैक सूट, आयरन सोल्डर मशीन सहित अन्य सामान बरामद हुए। इनकी कीमत करीब 20 लाख रुपये है। आरोपित इन सामानों से संबंधित कोई भी दस्तावेज पेश नहीं कर सका। उसे गिरफ्तार कर लिया गया। (जासं)

जांच व सजा दिलाने में आर्थिक अपराध शाखा की रफ्तार धीमी

विनीत त्रिपाठी, नई दिल्ली

दोषियों को हुई सजा

वर्ष	सजा
2010	01
2011	04
2012	07
2013	07
2014	05
2015	04
2016	04
2017	11
2018	07
31 अगस्त 2019	01

अत्याधुनिक उपकरण, तकनीक और सुविधाओं से लैस दिल्ली पुलिस की आर्थिक अपराध शाखा (ईओडब्ल्यू) में दर्ज होने वाले आर्थिक अपराध के मामलों में न सिर्फ जांच की रफ्तार धीमी है, बल्कि यहां से कम ही आरोपित जेल की दहलीज तक पहुंचे हैं। सूचना का अधिकार के तहत मिले आंकड़ों पर गौर करें तो ईओडब्ल्यू द्वारा की गई जांच और सजा का अनुपात गत पांच वर्षों में तीन फीसद से भी कम है। पिछले पांच साल में ईओडब्ल्यू में कुल 1031 मामले दर्ज किए गए, लेकिन जानकर हैरानी होगी कि इनमें से महज 26 मामलों में ही दोषियों को सजा मिल पाई है। यदि वर्ष 2010 से अब तक दर्ज किए गए मामलों को देखें तो महज 51 मामलों में ही दोषियों को सजा हुई है।

सुप्रीम कोर्ट अधिवक्ता शशांक देव सुधि ने आरटीआइ से पिछले दस साल में ईओडब्ल्यू में दर्ज हुए मामलों व इनमें हुई सजा से जुड़ी जानकारी मांगी थी। ईओडब्ल्यू के जन सूचना अधिकारी सहायक उपायुक्त अनिल समोता ने जो जानकारी उपलब्ध कराई उस पर शशांक का कहना है कि देश की राजधानी में होने वाले आर्थिक अपराध के मामले में पुलिस गंभीर नहीं है। नतीजतन, पांच साल में तीन फीसद आरोपितों को भी सजा नहीं मिल पाई है। उनका कहना है कि अधिकांश मामलों में समझौता हो जाता है।

आर्थिक अपराध शाखा को 1994 में अलग इकाई के तौर पर गठित किया गया था। मई 2017 में ईओडब्ल्यू को एक विशेषज्ञ यूनिट के तौर पर विकसित किया गया और विशेष पुलिस आयुक्त रैंक के अधिकारी को पूरी तरह से इसकी जिम्मेदारी दी गई। ईओडब्ल्यू में संपत्ति, बैंक धोखाधड़ी, साइबर अपराध, मार्केटिंग-धोखाधड़ी, कॉपीराइट, ट्रेडमार्क से जुड़े मामले दर्ज होते हैं। ईओडब्ल्यू दो करोड़ से अधिक के धोखाधड़ी के मामलों की जांच करता है।

अंकित के पिता ने कोर्ट में बेटे के हत्यारोपितों को पहचाना

जासं, नई दिल्ली : दिल्ली की एक अदालत में चल रही सुनवाई के दौरान अंकित के पिता यशपाल ने हत्यारोपितों की पहचान की है। अतिरिक्त सत्र न्यायाधीश एसपीएस लहेर की अदालत में पेश हुए यशपाल ने खून से सने बेटे के कपड़े, जूते समेत अन्य सामान की भी अदालत में पहचान की है। अंकित की फरवरी 2018 में एक युवती से कथित संबंध के आरोप में हत्या कर दी गई थी।

वरिष्ठ अधिवक्ता व अभियोजक रेबिका मेमन जॉन व अधिवक्ता विशाल गोसाई ने अंकित के पिता से जिरह की। इस दौरान सीलबंद लिफाफे से निकाली गई अंकित की नीले रंग की शर्ट और सफेद पैंट को यशपाल को दिखाया गया। यशपाल बेटे के कपड़ों को थोड़ी देर देखते रहे और फिर उनकी पहचान की। इसके बाद उनसे आरोपितों की पहचान करने को कहा गया और युवती के पिता अकबर अली, मां शहनाज बेगम, चाचा मोहम्मद सलील पेश किया गया। इन तीनों के खिलाफ मुकदमा चल रहा है। तीनों का नाम लेकर यशपाल ने आरोपितों की पहचान की है। उन्होंने कहा कि घटना के समय वह सात से आठ फीट की दूरी पर खड़े थे। दूसरे पक्ष के वकील ने जब उनसे सवाल किया कि उन्होंने बेटे को बचाने की कोशिश क्यों नहीं की, तो यशपाल ने कहा कि उन्होंने बेटे को बचाने की कोशिश की थी। लेकिन आरोपितों ने उन्हें धक्का दे दिया।

आवास, जनसंख्या और प्रदूषण को लेकर किया जाएगा अध्ययन

संजीव गुप्ता, नई दिल्ली

दिसंबर 2021 से पहले दिल्ली के लिए मास्टर प्लान 2041 तैयार हो जाएगा। दिल्ली के उपराज्यपाल और दिल्ली विकास प्राधिकरण (डीडीए) के अध्यक्ष अनिल बैजल ने इसके लिए न सिर्फ समय सीमा तय कर दी है, बल्कि अगले 20 वर्षों की जरूरतों की पूर्ति करने के लिए कुछ अध्ययन रिपोर्ट तैयार करने के निर्देश दिए हैं।

मास्टर प्लान-2021 की वैधता दिसंबर 2021 में खत्म हो जाएगी। इससे करीब तीन माह पूर्व अगला मास्टर प्लान तैयार करना आवश्यक है, ताकि समय पर उसे लागू कर दिया जाए। मास्टर प्लान 2041 का बहुत काम बचा हुआ है इसलिए बैजल ने इस दिशा में प्रक्रिया को तेज करने के निर्देश दिए हैं।

डीडीए अधिकारियों के मुताबिक, उपराज्यपाल ने हाल ही में इसे लेकर बैठक की थी। इसमें सामने आया कि अगले 20 सालों में दिल्ली की आवासीय जरूरतों, आबादी के घनत्व, ठोस कचरा प्रबंधन, सामुदायिक सेवाओं, पर्यावरण एवं हरित क्षेत्र इत्यादि तमाम संबंधित क्षेत्रों के लिए आवश्यक आंकड़े एकत्र कर लिए गए हैं। बैठक में तमाम क्षेत्रों सहित कुछ अन्य क्षेत्रों के विशेषज्ञ भी उपस्थित रहे। इन सभी को जल्द से जल्द अध्ययन शुरू कराने और रिपोर्ट तैयार करने के लिए कहा गया। मास्टर प्लान 2041 में पर्यावरण संरक्षण को भी प्राथमिकता दी गई है। डीडीए द्वारा तैयार किए जा रहे, इस प्लान को इसी प्रकार से तैयार किया जा रहा है कि दिल्ली के स्वरूप से छेड़छाड़ किए बगैर 2041 की जरूरतों के आधार पर दिल्ली का विकास किया जा सके।

> मास्टर प्लान दिल्ली 2041 में परिवर्तनकारी एजेंडा होना चाहिए, जिसमें पर्यावरण के प्रति संवेदनशील पुनर्विकास, उच्च गुणवत्ता वाला रहने योग्य वातावरण एवं टिकाऊ बुनियादी ढांचा शामिल है। आर्थिक अवसरों और उच्च गुणवत्ता वाले जीवन के साथ दिल्ली को सांस्कृतिक विविधता पूर्ण राजधानी बनाने का प्रयास करना चाहिए। दिल्ली के लिए बेहतर एवं सुलभ विकल्प उपलब्ध करवाने की जरूरत है।
> -उपराज्यपाल अनिल बैजल का ट्वीट

> मास्टर प्लान 2041 पर काफी काम हो चुका है। बचे हुए काम को भी त्वरित गति से अंजाम दिया जा रहा है। कोशिश यही है कि मास्टर प्लान 2021 की तरह मास्टर प्लान 2041 में बार-बार किसी संशोधन की आवश्यकता न पड़े।
> -तरुण कपूर, उपाध्यक्ष, डीडीए

धरोहरों का होगा विकास : भविष्य में दिल्ली बदली हुई नजर आएगी। मास्टर प्लान 2041 में दिल्ली की धरोहरों के विकास को अहमियत दी जाएगी। ओपन स्पेस विकसित किया जाएगा। पर्यटन को बढ़ावा देने के लिए भी प्रयास किए जाएंगे।

बिजली-पानी पर विशेष जोर : मास्टर प्लान 2041 में पानी की आपूर्ति, गंदे पानी की निकासी, उसके शोधन और हरित ऊर्जा पर भी विशेष ध्यान दिया जा रहा है। दिल्ली में जो जलाशय उपेक्षा के चलते सूख रहे हैं, उन्हें पुनः जीवित कर आपस में लिंक किया जाएगा। इस प्रयास से दिल्ली को मिल रहे पानी की क्षमता बढ़ेगी। सीवरेज ट्रीटमेंट को बढ़ावा दिया जाएगा। यमुना एक्शन प्लान को गंभीरता से लिया जा रहा है, ताकि गंदे पानी को शोधित कर जरूरत के आधार पर भविष्य में इस्तेमाल किया जा सके।

नए तरीके से होगा अनधिकृत कॉलोनियों का विकास : दिल्ली में तेजी से विकसित हुई अनधिकृत कॉलोनियों का विकास डीडीए नए तरीके से करेगा। मास्टर प्लान में इस पर भी काम किया जा रहा है कि इन कॉलोनियों में पानी, बिजली, सड़क सहित अन्य सुविधाओं को कैसे पहुंचाया जाए।

प्रापर्टी बेचने के नाम पर कई लोगों को ठगने वाला गिरफ्तार

जासं, नई दिल्ली : एक ही प्रापर्टी को कई लोगों को बेचने के लिए एग्रीमेंट करके ठगी करने वाले एक व्यक्ति को डिस्ट्रिक्ट इंवेस्टीगेशन यूनिट (डीआइयू) ने गिरफ्तार किया है। आरोपित की पहचान ईस्ट पटेल नगर दिल्ली के रहने वाले अनुज अनेजा के रूप में हुई है। प्रापर्टी को बेचने के नाम पर वह कई करोड़ रुपये की ठगी कर चुका है।

पुलिस के अनुसार एक व्यक्ति ने शिकायत की थी कि पटेल नगर में एक फ्लैट को बेचने के लिए एग्रीमेंट करके अनुज ने उनसे एक करोड़ 20 लाख रुपये ठग लिए। फ्लैट छवि पमनानी को बेच दिया। मामले की जांच में सामने आया कि अनुज एक प्रापर्टी को बेचने के नाम पर कई लोगों से ठगी कर चुका है। वह जनवरी 2018 से फरार चल रहा था। जांच में जुटी पुलिस ने शनिवार को सुशांत लोक से अनुज को उस समय गिरफ्तार किया जब वह हेलमेट लगाकर सोसायटी से बाहर निकल रहा था।

सुरक्षा मानकों पर खरी नहीं उतरीं शाहबेरी की इमारतें

प्रवीण विक्रम सिंह, ग्रेटर नोएडा

- आइआइटी दिल्ली की टीम ने 426 अवैध इमारतों का सुरक्षा ऑडिट किया पूरा
- 22 दिन तक चला शाहबेरी का सुरक्षा ऑडिट, शासन को भेजी जाएगी रिपोर्ट

शाहबेरी में गिरी इमारत के मलवे का हटाती पॉकलेन मशीन। फाइल फोटो

आइआइटी दिल्ली की टीम ने शाहबेरी में बनी 426 अवैध इमारतों का (स्ट्रक्चरल सेफ्टी ऑडिट) सुरक्षा ऑडिट पूरा कर लिया है। सुरक्षा ऑडिट रिपोर्ट जल्द ही ग्रेटर नोएडा प्राधिकरण को सौंपी जाएगी। इसके बाद यह रिपोर्ट शासन को भेजी जाएगी। सूत्रों का दावा है कि सुरक्षा ऑडिट में ज्यादातर इमारतें सुरक्षा मानकों पर खरी नहीं उतरी हैं। यह रिपोर्ट ही शाहबेरी की अवैध इमारतों का भविष्य तय करेगी। आइआइटी की टीम ने सात सितंबर से रोजाना चार-चार घंटे शाहबेरी में इमारतों का सुरक्षा ऑडिट किया। 22 दिनों तक चले सुरक्षा ऑडिट के दौरान टीम को पुलिस सुरक्षा भी मुहैया कराई गई।

दरअसल, शाहबेरी में जमीन अधिग्रहण हाई कोर्ट ने रद कर दिया था। इसके बाद शाहबेरी में अवैध इमारतों का जाल बिछ गया। 17 जुलाई 2018 को शाहबेरी में दो अवैध रूप से बनीं इमारतें गिरने से नौ लोगों की मौत हो गई थी। घटना के बाद से शाहबेरी की अवैध इमारतें शासन से लेकर ग्रेटर नोएडा प्राधिकरण की गले की हड्डी बनी हुई हैं। अवैध रूप से बनी 426 इमारतों को ध्वस्त करने के निर्देश हैं, लेकिन लोगों के विरोध को देखते हुए पहले इन इमारतों का स्ट्रक्चरल सेफ्टी ऑडिट कराने का फैसला लिया गया था। अब सुरक्षा ऑडिट पूरा हो चुका है।

गौरतलब है कि नवेशक इमारतों को गिराने का विरोध कर रहे हैं। उनका कहना है कि उनके पर दोहरी मार पड़ेगी। पैसा तो उनका गया ही, आसियाना भी छिन जाएगा।

30 फ्लैट बेचने वाली महिला बिल्डर गिरफ्तार

जागरण संवाददाता, ग्रेटर नोएडा : शाहबेरी में अवैध रूप से बनाकर 30 फ्लैट बेचने वाली महिला बिल्डर मन्नू टंडन को बिसरख कोतवाली पुलिस ने गिरफ्तार किया है। आरोपित का पति राकेश टंडन फरार है। वह भी शाहबेरी के आरोपितों में शामिल है। पुलिस राकेश टंडन की गिरफ्तारी के लिए दबिश दे रही है। पुलिस का दावा है कि जल्द ही फरार बिल्डरों को भी गिरफ्तार किया जाएगा।

मानकों की अनदेखी का है आरोप

शाहबेरी में बनी इमारतें अवैध होने के साथ-साथ सुरक्षा के लिहाज से बेहद खतरनाक बताई जा रही हैं। आरोप है कि इमारतों के निर्माण व लगाई गई सामग्री में मानकों की पूरी तरह से अनदेखी की गई है। आइआइटी की टीम ने स्ट्रक्चरल सेफ्टी ऑडिट कर यह पता लगाया है कि इमारतों का ढांचा कितने लोगों के रहने के लिए कितना सुरक्षित है।

अब तक दर्ज हो चुकी हैं 84 एफआइआर

शाहबेरी में अवैध निर्माण करने वाले बिल्डरों के खिलाफ 84 एफआइआर दर्ज हो चुकी हैं। प्रशासन पांच के खिलाफ गैंगस्टर व शाहबुद्दीन के खिलाफ एनएसए की कार्रवाई कर चुका है। कई अन्य आरोपितों की तलाश में पुलिस की टीमें छापेमारी कर रही हैं।

केजरीवाल को सत्ता से बाहर कर देंगे दिल्ली वाले : तिवारी

जागरण संवाददाता, नई दिल्ली : दिल्ली भाजपा के अध्यक्ष मनोज तिवारी ने कहा कि दूसरे राज्य के लोगों को बाहर का रास्ता दिखाने से पहले दिल्ली के लोग केजरीवाल को ही सत्ता से बाहर का रास्ता दिखा देंगे। प्रदेश पार्टी कार्यालय में उन्होंने कहा कि आम आदमी पार्टी (आप) के मुखिया व दिल्ली के मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल के झूठ का भ्रमजाल टूट रहा है। 2015 के बाद से आप कोई भी चुनाव नहीं जीत सकी है। इसलिए (राष्ट्रीय नागरिक रजिस्टर) एनआरसी जैसे मुद्दे पर बेतुके बयान दे रही है। उन्होंने कहा कि केजरीवाल दिल्ली में रह रहे दूसरे राज्य के लोगों को भगाना चाहते हैं और अवैध बांग्लादेशी व रोहिंग्या को संरक्षण देकर राजनीतिक फायदा लेना चाहते हैं।

भारत तेरे टुकड़े होंगे- इंशाल्लाह-इंशाल्लाह को संरक्षण देकर वह देश के विरुद्ध काम कर रहे हैं, लेकिन उनकी यह चाल कामयाब नहीं होगी। कार्यक्रम में आप युवा विंग के संयुक्त सचिव अमित मिश्रा और लीगल सेल के पूर्वी दिल्ली जिलाध्यक्ष रूप मोहन शर्मा ने अपने साथियों के साथ भाजपा का दामन थामा। रिटायर्ड एसीपी नियमपाल सिंह सहित कई प्रोफेशनल्स भी भाजपा से जुड़े। इस अवसर पर पार्टी के राष्ट्रीय उपाध्यक्ष श्याम जाजू, प्रदेश उपाध्यक्ष अभय वर्मा, पूर्व विधायक अनिल बाजपेयी, मीडिया सह-प्रभारी नीलकांत बख्शी उपस्थित थे।

श्रद्धांजलि सभा का आयोजन : भाजपा के प्रदेश कार्यालय में पर्वतीय प्रकोष्ठ द्वारा उत्तराखंड राज्य जन आंदोलन के शहीद आंदोलनकारियों के शहीदी दिवस पर श्रद्धांजलि सभा का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में दिल्ली प्रदेश प्रभारी व राष्ट्रीय उपाध्यक्ष श्याम जाजू, प्रदेश संगठन महामंत्री सिद्धार्थन, निगम पार्षद बीर सिंह पंवार आदि उपस्थित रहे। जाजू ने कहा कि देश व समाज को अपनी मिट्टी के लिए बलिदान देने वालों को कभी नहीं भूलना चाहिए।

उन्होंने कहा कि उत्तराखंड की धरती की तासीर ऐसी है कि जब भी वहां का व्यक्ति खुश होता है तो उत्तराखंड की जय बोलने से पहले भारत माता की जय बोलता है। वहां के हर तीसरे घर का बच्चा देश की सेना में भर्ती होकर सर्वोच्च बलिदान देता है। उन्होंने कहा कि 2 अक्टूबर 1994 को उत्तराखंड में हुए आंदोलन में महिलाओं की अहम भूमिका थी।

सद्भावना

नहीं है धर्म-जाति की कोई रेखा, हर मंच है राम-रहीम से रोशन, 174 साल पहले बहादुर शाह जफर ने जलाई थी अलख

गंगा-जमुनी तहजीब की मिसाल पेश कर रहीं दिल्ली की रामलीला

नेमिष हेमंत, नई दिल्ली

कुंभकरण की भूमिका में मुजीबुर रहमान।

लक्ष्मण की भूमिका में सादिक हुसैन।

केवट की भूमिका में महापौर जत्थेदार अवतार सिंह। फाइल फोटो

दिल्ली गंगा-जमुनी तहजीब की मुकम्मल पहचान है। यमुना किनारे कोई 174 साल पहले यह लौ अंतिम मुगल बादशाह बहादुर शाह जफर ने जलाई थी। फिर रामलीला का मंच भी धार्मिक सौहार्द का संगम बन गया। अब हर मंच राम-रहीम से रोशन है। सदियों से यह परंपरा बिना किसी बाधा के जारी है। यह इसकी थाती है और यही इसकी संपूर्णता है। बांटने वालों ने हिंदू, मुस्लिम, सिख, ईसाई, न जाने कितनी रेखाएं खींचीं। लेकिन दिल्ली के मंच पर रामायण के किरदारों में कोई सादिक, कोई मुजीबुर तो कोई जत्थेदार अवतार मिलेगा। कोई दशकों से कोई कुछ वर्षों से राम को आत्मसात किए हुए हैं।

राम को जीना चाहते हैं मुजीबुर रहमान : लाल किला में नवश्री धार्मिक लीला कमेटी द्वारा आयोजित रामलीला में इस बार मुजीबुर मेघनाथ, नारद व रावण के पुत्र अक्षय कुमार का किरदार निभा रहे हैं। पिछले वर्ष वह कुंभकरण के किरदार में थे। थियेटर के कलाकार मुजीबुर तीन सालों से रामलीला के मंचन से जुड़े हैं। वह राम का किरदार जीना चाहते हैं क्योंकि मर्यादा पुरुषोत्तम राम का चरित्र उन्हें प्रेरणादायी लगता है। वह कहते हैं राम बनना तो मुमकिन नहीं, पर उनके किरदार को ही जीकर अपना जीवन धन्य करना चाहता हूं।

लक्ष्मी नगर के रहने वाले मुजीबुर ने श्रीराम सेंटर से अभिनय सीखा है। साथ ही राष्ट्रीय नाट्य विद्यालय से जुड़े हुए हैं। वह बताते हैं कि रामलीला में काम करने के दौरान वह इस देश की सनातन परंपरा, सभ्यता व संस्कृति से परिचित हुए हैं। वह कहते हैं कि राम को जो समझ जाए, वह धर्म के नाम पर लड़ना छोड़ दे। उन्हें यहां अपने जैसा महसूस होता है। सबके साथ खाना-पीना, हंसना व बोलना, सब उसे चाहते हैं।

17 वर्षों से लक्ष्मण की भूमिका निभा रहे सादिक : सादिक हुसैन के जीवन में रामलीला रची बसी है। कश्मीरी गेट के श्री नवयुवक रामलीला कमेटी में वह पिछले 17 वर्षों से मर्यादा पुरुषोत्तम राम के छोटे भाई लक्ष्मण की भूमिका निभा रहे हैं। सादिक के बारे में कुछ यूं कहा जा सकता है कि उन्होंने रामायण पात्रों को निभाया ही नहीं है, बल्कि जीया है। 30 साल के सादिक को रामलीला में पात्र निभाते हुए 25 साल से ऊपर हो चुके हैं। वह बताते हैं कि जब वह पांच साल के थे, तभी से वह रामलीला में विभिन्न पात्रों को निभाते आ रहे हैं। उम्र के साथ रामलीला में उनकी भूमिकाएं बदलती गईं। कभी हनुमान की बानर सेना में रहे, तो कभी रावण की सेना में शामिल हो गए। इसी तरह मकरध्वज, भरत, शत्रुघ्न व मेघनाथ की भूमिका निभाने के बाद अब पिछले 17 सालों से लक्ष्मण की भूमिका निभा रहे हैं। उन्हें मर्यादा पुरुषोत्तम राम का पात्र सबसे अधिक आकर्षित करता है। वह राम की भूमिका भी निभाना चाहते हैं। कश्मीरी गेट इलाके में रहने वाले सादिक एक निजी कंपनी में एकाउंटेंट हैं।

जत्थेदार अवतार के रोम-रोम में राम : जत्थेदार अवतार सिंह राम की कृपा ही मानते हैं कि वह उत्तरी दिल्ली नगर निगम के महापौर के तौर पर लोगों की सेवा कर रहे हैं। सिख जत्थेदार अवतार सिंह के रोम-रोम में राम बसे हैं। पिछले 46 वर्षों से कश्मीरी गेट की रामलीला में अभिनय करते आ रहे अवतार कहते हैं कि यह जीवन भगवान राम का दिया हुआ है, इसलिए उनकी सेवा में समर्पित है। जब वह कक्षा तीन में थे, तभी बाल रामलीला कराना शुरू कर दिया। वह इस वर्ष भी श्री नवयुवक रामलीला कमेटी में केवट की भूमिका निभा रहे हैं। पूर्व में रावण समेत अन्य भूमिका निभाने वाले अवतार सिंह बताते हैं कि इस बार वह कुल तीन रामलीलाओं में विभिन्न किरदार निभाते हुए राम की सेवा कर रहे हैं।